



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 562]
No. 562]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 24, 2003/आषाढ़ 3, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 24, 2003/ASADHA 3, 1925

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बीमा प्रभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2003

का.आ. 724(अ).—केन्द्रीय सरकार, बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 64फख की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बीमा नियम, 1939 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीमा (संशोधन) नियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बीमा नियम, 1939 के नियम, 59 में, खंड (ड) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(द) राष्ट्रीय कृषि बीमा स्कीम पालिसी—केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों या संघ राज्य क्षेत्रों से शोध्य प्रीमियम में सहायिकी, दावे का परिनिर्धारण करने से पूर्व, यदि पूर्णतः संदत्त की गई है, तो सम्यक्तः संदत्त की गई समझी जाएगी।”

[फा० सं० एन. 64(41)-बीमा/1/2003]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(INSURANCE DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th June, 2003

S.O. 724(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 64VB of the Insurance Act, 1938, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Insurance Rules, 1939, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Insurance (Amendment) Rules, 2003.

(2) They shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.

2. In the Insurance Rules, 1939, in rule 59, after clause (m), the following clause shall be inserted, namely :—

“(n) Policies of National Agriculture Insurance Scheme.—The subsidy in premium due from Central Government or State Governments or Union Territories shall be deemed to have been duly paid, if paid in full, before the settlement of the claim.”

[F. No. N. 64(41)-INS. 1/2003]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.